http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2024) वर्ष 4, अंक 10, 17-18

Article ID: 394

सफेद ग्रब का जीवन चक्र

कमलेश जाखड़[1], वैशाली दत्तूजी पिदुरकर[1]

[1]कृषि प्राणी विज्ञान एवं कीट विज्ञान विभाग
राजा बलवंत सिंह कॉलेज बिचपुरी आगरा (यू.पी),283105

- **वैज्ञानिक नाम** –*Holotrichia consanguinea Blanchard*
- **संघ**-Arthopoda
- **गण**-Coleoptera
- **कुल**- Scarabaeidae

❖ **पहचान:-**

एफिड्स सूक्ष्म मूलायम शरीर वाले कीट होते है जिनके उदर के पक्ष-पृष्ठीय भाग पर कोनिकल्स नामक छोटी नलिया पायी जाती है सफ़ेद गिडार को व्हाइट ग्रब कीट कहते हैं. यह एक खतरनाक भूमिगत कीट है जो फसलों की जड़ों, मूल किस्मों, और भूमिगत तनों को नुकसान पहुंचाता है. यह आमतौर पर दोमट और बुलई मिट्टी में ज़्यादा पाया जाता है. सफ़ेद ग्रब के शरीर का रंग सफ़ेद या क्रीम होता है, सिर भूरा होता है, और 3 जोड़ी पैर होते हैं यह मिट्टी में सी-आकार में लिपटे हुए पाए जाते हैं

❖ **वितरण:-**

इस कीट को सर्वप्रथम मूंगफली पर 1957 में गुजरात में देखा गया था। वर्तमान में इसका विस्तार उत्तर प्रदेश,राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, एवं पंजाब तक फैला है। इसकी प्रमुख जाति *Holotrichia cons.* है जबकि दूसरी *Holo. Serrata* दक्षिण भारत में अधिक है। *Anomalla Species* उत्तर प्रदेश के पहाडी क्षेत्रो में क्षति पहुंचाती है। राजस्थान के जयपुर, सवाई माधोपुर तथा लालसोट व उत्तर प्रदेश में उन्नाव,कानपूर,हरदोई,एटा आदि जिलो मे अधिक आक्रमण है व्हाइट ग्रब का एक समूह है जो जिनमें बीटल जैसे जापानी बीटल जून बीटल शामिल है

❖ **जीवन इतिहास:-**

कीट पार्थिनोजेटिक रूप से प्रजनन करता है मादा लगभग 26- 133 नवजातो को जन्म देती है वे बहुत तेजी से बढ़ते है तथा यह 7 से 10 दिनों में पूरी तरह भर जाते है इसके एक वर्ष में 45 पीढ़ियां पूरी हो जाती है इसका जीवन चक्र चार अवस्थाओं में Egg Grub Pupa Adult में होती है।

1. अंडा:-

सफेद लट का व्यस्क मादा मानसून पूर्व मध्य मई और उसके बाद होने वाली लगभा 25 mm बरसात के पश्चात मिटटी में 10-15 मीटर गहराई मे अपने अण्डे देती है। यह अंडे आमतौर पर सफेद व क्रीम रंग के और अंडा कार होते हैं। इन अण्डों की फूटने की अवधि 7-10 दिन तक की होती है।

2. सुंडी अवस्था:-

अण्डो से निकलने के बाद इनका लार्वा का रंग मलाई जैसा सफेद रंग व एक भूरे रंग का होता है। इनकी लम्बाई 10-12 mm व चौडाई 2-3 mm होती है। प्रारम्भ से यह कार्बनिक पदार्थ खाते है। पूर्व विकसित लार्वा C type का मटमेले रंग का होता है। सिर गहरे भूरे रंग का होता है जिसमे Mendible मजबूत होता है। उसका सम्पूर्ण जीवन काल 100-110 दिन का होता है।

3. प्यूपा :-

लार्वा पूर्ण विकसित होने के बाद प्यूपा में बदल जाता है यह मिट्टी मे 20-40 cm गहराई में मिट्टी का कोया बनाकर प्यूपा मे बदल जाता है प्रारम्भ में यह हल्के पीले रंग का होता है जो बाद में भूरे रंग में परिवर्तन हो जाता है। प्यूपा आमतौर पर भोजन क्षेत्र से दूर मिट्टी मे ज्यादा पाया जाता है यह 10-27 दिन तक रहता है

4. वयस्क :-

प्यूपा पूर्ण विरासत होने के बाद व्यस्त निकलते है जिनको आमतौर जून भृंग व मानसूनी भृंग कहा जाता है यह भृंग क्रीम रंग के होते है तथा अन्य कई प्रजातिया जो लाल - भूरे या काले रंग की होती है। यह मध्य मई तक सुषुप्त अवस्था में रहते है तथा 25mm बरसात के बाद बाहर निकलते है जो प्रारंभ में भूरे रंग के हो जाते है इनका सम्पूर्ण जीवन काल 129 से 150 के दिनों में पूर्ण होता है इनकी 1 साल में एक पीढ़ी मिलती है

नियंत्रण

I. कल्चरल प्रैक्टिसेस :-

कल्चरल प्रैक्टिसेस करने से सफेद ग्रब कीटो को कम करने में मदद मिल सकती है इसमें फसल चक्र अपनाना चाहिए क्योकि विभिन्न फसले विभिन्न प्रकार के बीटल और उनके ग्रब को आकर्षित करती है मई में प्रथम बरसात के बाद कई बार गहरी जुताई करने से अंडे एवं छोटी- छोटी लटे नष्ट हो जाती है। जिससे सफेद लट को नियंत्रण कर सकते है प्रतिरोधी किस्मो का प्रयोग करना चाहिए

II. जैविक नियंत्रण :-

सफेद ग्रब के प्राकृतिक परभक्षियों और परजीवीयो को प्रोत्साहित करने से प्रभावी नियंत्रण मिल सकता है नेमेटोड्स जैसे कि हटेरोंहेब्डाइटिस बैक्टीरियोफोरा या स्टीननेमा फैलिया आमतौर पर लाभकारी जीवो का उपयोग करके सफेद लट को नियंत्रण कर सकते हैं

III. रासायनिक नियंत्रण:-

खेत के आस-पास के पेड़ो तथा झाडियों पर निम्न दवाओं का छिड़काव कर भृंगो को नष्ट किया जा सकता है बारिश के 3-4 दिन छिड़काव करें।

- कार्बारिल 0.2%
- मोनोक्रोटोफॉस 0.05%
- क्लोरपायरीफॉस 0.05%

लट के नियंत्रण के लिए से पहले निम्न दवाओ को मृदा में मिलायें

- फोरेट 10 जी 15 Kg/hac.
- इकालक्स 5 जी 20 Kg /Haco
- आफ्टोनाल 10 जी 15 Kg/hec.
- कार्बोफूरान 3 जी - 30 kg/hac

बुआई से पहले बीजोपचार करना चाहिए बुआई से पूर्व 25 मिली. क्लोरपायरीफॉस प्रति किलो की दर से बीजोपचार करें।